

## अधिसूचना

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1910) अनुकूलन एवं आपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 28 के साथ पठित उत्तर प्रदेश साम्भारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम राज० १ वर्ष 1904) (यथा उत्तराखण्ड में लागू) नी धारा 21 के अधीन शवित का प्रयोग करके श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड, विकृत रिपरिट का आग्रह, नियात, परिवहन तथा उसे कब्जे में रखने के नियम सम्बन्धी शासकीय अधिसूचना राज० ६४/आब./२१/२००३-०४, दिनांक १५ जनवरी, २००४ द्वारा विभी ये प्राविधिकीय में एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से आंशिक संशोधन करते हुए विनियम में प्रयोगार्थ आयातित विकृत रिपरिट या विशेषत विकृत रिपरिट की पात्रा पर रु. १.१० प्रति वल्क (आपत्ति) लीटर की परमिट फीरा को रामात करते हुए उत्तराखण्ड विधान औद्योगिक राजायनिक इकाईयों द्वारा विशेषत विकृत रिपरिट (एरा०डी०एरा०) व विकृत रिपरिट (डी०एरा०) विना किसी परमिट फीस के आग्रह किये जाने की सहायता प्रदान करते हैं।

2- इस प्रकार विशेषत विकृत रिपरिट (एरा०डी०एरा०)/विकृत रिपरिट (डी०एरा०) का उत्तरांतल में आग्रह किये जाने राजनी आबकारी अधिसूचना राज० ६४/आब./२१/२००३-०४, दिनांक १५ जनवरी, २००४ तक तक विभी राजनी जायेगी।

*विधि  
२१/६/२००६*  
(विधिन चन्द्र चन्दोला)  
सचिव।

राज०-१५१/XXIII/०४/२१/२००४ तददिनांक

उक्त अधिसूचना की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक प्राप्तिकारी द्वारा प्रेषित -

- 1 आबकारी आमुकत, उत्तराखण्ड।
- 2 आमुकत, मुद्राल एवं कुमाऊँ, उत्तराखण्ड।
- 3 उमस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।

आज्ञा से.

*मायूर  
(टीकम सिंह पंवार)*  
उप सचिव।